पाठ 12. वीर शिवाजी

पाठ का परिचय

मराठा शिरोमणि शिवाजी अपने पिता शाह जी के समान ही महान योद्धा थे। उनके दो प्रमुख शत्रु थे, मुगल बादशाह औरंगज़ेब और बीजापुर का आदिलशाह। चूँकि आदिलशाह बादशाह औरंगज़ेब की अपेक्षा कमज़ोर था अत: शिवाजी ने उससे पहले निपटने का इरादा किया। उन्होंने अपनी छोटी किंतु कुशल सेना के साथ आदिलशाह पर हमला किया। आदिलशाह ने अपनी कई फ़ौजें भेजीं लेकिन वह नाकाम रहा और शिवाजी ने बीजापुर के तोरण किले पर कब्ज़ा कर लिया। इधर औरंगज़ेब ने भी आदिलशाह पर हमला कर दिया। आदिलशाह इस दोहरे आक्रमण से घबरा गया। शिवाजी ने इस अवसर पर ठीक रणनीति अपनाकर मौके का फ़ायदा उठाया और कोंकण तथा जावली प्रदेश जीत लिए। शिवाजी ने अपनी जीती हुई शक्ति से मुगलों की सीमा पर धावा बोल दिया। मुगलों के सरदार अफ़जल खाँ ने चाल चलकर शिवाजी को छलना चाहा लेकिन शिवाजी ने कमर में छिपाए बघनखे से उसका वध कर दिया। औरंगज़ेब ने कुशल सरदार दिलेर खाँ के नेतृत्व में दूसरी फ़ौज भेजी। जयसिंह ने महाराष्ट्र में शिवाजी के सभी दुश्मनों को इकट्ठा कर घेरा बनाकर शिवाजी को इस बात पर राज़ी कर लिया कि वह औरंगज़ेब से संधि कर लें। औरंगज़ेब ने भरे दरबार में उन्हें अपमानित किया और उन्हें व उनके पुत्र को कैद कर लिया। शिवाजी कपट के शिकार हो गए। उन्होंने भी कैदखाने से निकलने के लिए कपट का सहारा लिया। पिता-पुत्र दोनों मिठाई के टोकरों में बैठकर बाहर निकल आए।

पाठ का वाचन

कहानी का आदर्श वाचन करें। कठिन शब्दों को शुद्ध उच्चारणसहित कक्षा में बार-बार दोहराएँ। जैसे – शिरोमणि, योद्धा, शिवाजी-औरंगज़ेब, बीजापुर, आदिलशाह, विश्वसनीय, भौगोलिक, घाटियों, संगठित, विरुद्ध, सूबेदार, मुकाबला, अर्जित, अपमानित, मज़ेदार आदि।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्न पूछते हुए बच्चों से चर्चा करें –

- शिवाजी के बारे में तुम क्या जानते हो?
- इतिहास में शिवाजी का नाम उनकी किस विशेषता के कारण लिया जाता है?
- शिवाजी की तरह के किसी अन्य महान शासक के बारे में बच्चों को बताएँ।